

[15 May, 2000]

RAJYA SABHA

Minister have allocated Rs. 250 crores. Therefore, based on the export promotion, we want to give it to the State Governments, probably, just like the Gadgil formula. Next year or later, we may divide the amount according to the export increment that they contribute to the nation. Sir, this is the beginning of the plan which we are embarking on this year.

MR. CHAIRMAN: Q. 682.(Interruptions)...

SHRI NARENDRA MOHAN: Sir, the hon. Minister has left out only the northern States. He has mentioned about the southern States, the eastern States and the western States.

MR. CHAIRMAN: Q. No. 682. ... (Interruptions)... 682. ... (Interruptions)
682

Vocational Training Centres for Tribals

*682. SHRI RAMACHANDRA KHUNTIA: Will the Minister of TRIBAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the total member of adivasis in the country and their population in Orissa;

(b) how many Government-funded vocational training centres in the country have been set up for the tribals; and

(c) the number of vocational training centres for tribals in Orissa?

THE MINISTER OF TRIBAL AFFAIRS (SHRI JUAL ORAM): (a) The Scheduled Tribes population in the country, as per 1991 Census, is 67758380 and of Orissa 7032214.

(b) The Government has sanctioned 208 Vocational Training Centres for Scheduled Tribes in the country.

(c) 17 Vocational Training Centres have been sanctioned for tribals in Orissa.

श्री रामचन्द्र खूंटिया: सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया है, उसमें बताया गया है कि भारत वर्ष में ट्राईबल पापुलेशन 6,77,58,380 है जिनके लिए 208 वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर्स खोले गए हैं और उड़ीसा में 17 ट्रेनिंग सेंटर्स में खोले गए हैं। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि ये जो वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर्स हैं। इन ट्रेनिंग सेंटर में आज तक कितने आदिवासी लड़के और लड़कियों ने ट्रेनिंग ली है? मेरे प्रश्न का दूसरा भाग यह है कि वर्ष 1999-2000 में कितने बजट का एलोकेशन इसके लिए हुआ है और उसमें से कितना खर्च हुआ है? मेरे प्रश्न का तीसरा भाग यह है

कि भारतवर्ष में जनजातियों की जनसंख्या 6,77,58,380 है और उड़ीसा में इनकी संख्या 70,32,214 है, It is around ten per cent. इनके लिए 208 वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर्स सारे भारतवर्ष में हैं और उड़ीसा में केवल 17 हैं। यानी ये 10 परसेंट से भी कम हैं। महोदय, 10 परसेंट के हिसाब से इनकी संख्या 21 से ऊपर होनी चाहिए। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूँ कि इनकी संख्या कम क्यों है?

श्री जुएल उराम: सभापति महोदय, अभी तक इन ट्रेनिंग सेंटर्स से 6,150 स्टूडेंट्स ट्रेनिंग ले चुके हैं। इन सेंटर्स के लिए पिछले वर्ष का बजट प्रोविजन 9 करोड़ 75 लाख रुपए था जिसमें से 3 करोड़ 74 लाख रुपया खर्च हो चुका है। महोदय, वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर्स पापुलेशन के आधार पर नहीं दिए जाते हैं। स्टेट गवर्नमेंट इन सेंटर्स के लिए ऐप्लाई करती है, फिर केन्द्र सरकार उसकी छानबीन करने के बाद उनको ट्रेनिंग सेंटर्स एलॉट करती है। उड़ीसा में जो 17 ट्रेनिंग सेंटर्स दिए गए हैं, वे पापुलेशन के आधार पर नहीं दिए गए हैं। स्टेट गवर्नमेंट ने जितनी डिमांड की थी, उसके हिसाब से दिए गए हैं।

श्री रामचन्द्र खूंटिया: सभापति महोदय, यह जो मंत्री महोदय ने उत्तर दिया है, इन्होंने कहा कि ट्रेनिंग सेंटर्स का ऐलोकेशन पापुलेशन के आधार पर नहीं है, यह बात भी ठीक नहीं है क्योंकि बात यह है कि आज जो नयी टेक्नोलोजी हम लोगों ने अपनाई है, नयी टेक्नोलोजी में अगर कोई ज्यादा अफैक्टेड होंगे तो ट्राइबलमैन और वीमैन, those who are engaged in construction and dam work, those who work in the forest, will be affected. So, Sir, it is very, very important that the upgradation of the tribal people is very much required to safeguard the interests of the tribal people. मंत्री महोदय ने उत्तर में बतलाया है कि करीब 50 छात्र एक सेंटर में पढ़ते हैं। अगर सारे भारतवर्ष में 208 सेंटर्स हैं तो only 10,000 students study in these schools. मेरे कहने का मतलब यह है कि यह सफिशियेंट नहीं है। क्या मंत्री महोदय इस पर विचार करके इन सेंटर्स की संख्या बढ़ाएंगे, सीट्स की संख्या बढ़ाएंगे और उड़ीसा में जहां केवल 17 सेंटर्स हैं, क्या वहां इससे ज्यादा सेंटर्स खोलने पर विचार करेंगे?

श्री जुएल उराम: सभापति महोदय, पापुलेशन के आधार पर यह स्कीम नहीं चलाई जाती है। यह नीड के हिसाब से, आवश्यकता के हिसाब से चलाई जाती है। स्टेट गवर्नमेंट को इस मामले में फ्री हैंड है कि वह ऐप्लाई करे जितना उनको चाहिए। अगर उड़ीसा गवर्नमेंट से ज्यादा ऐप्लीकेशंस आएंगी तो सरकार जरूर उस पर विचार करेगी। महोदय, ट्राइबल्स को अपना कामकाज करने के लिए, इन सेंटर्स से आफ-आऊट करने के बाद उनकी स्किल्स बढ़ें, इसके लिए भी स्कीम है। अगर ज्यादा स्कीम्स आएंगी, तो उस पर हम विचार करेंगे। हर सेंटर में 100 स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग दी जाती है लेकिन 100 स्टूडेंट्स मिलते नहीं हैं। जितने स्टूडेंट्स मिलते हैं उतने स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग दे दी जाती है।

SHRI BIRABHADRA SINGH: I want to know from the hon. Minister as to what is the percentage of women students in the training centres. I would also like to know if there is any study centre for women or not.

Sir, the tribal people are very active and hard working. Therefore, emphasis should be given on vocational training. I would like to know from the hon. Minister whether computer training system has been introduced in any of the tribal centres or not.

श्री जुएल उराम: सर, मैंने जो आंकड़े दिए हैं उसमें मेल-फीमेल के रेशियो की डिटेल् नहीं है, हमारे पास इस समय डिटेल् नहीं है। मैं माननीय सदस्य को लिखकर बताऊंगा कि इसमें से मेल स्टूडेंट कितने हैं और फीमेल स्टूडेंट कितने हैं।

सर, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि कूलर ट्रेनिंग, वैलडर ट्रेनिंग, एयरकंडीशनर रिपेयर की ट्रेनिंग, इलेक्ट्रीशियन की ट्रेनिंग, टाइपराइटिंग की ट्रेनिंग, टेलीफोन रिपेयर, कारपेंटरी, नीटिंग इन सब की ट्रेनिंग उसमें दी जाती है। उसमें कम्प्यूटर ट्रेनिंग आलरेडी है। इस संबंध में माननीय सदस्य ने जो सुझाव दिए हैं उन पर हम विचार करेंगे।

PROF. SHRIMATI BHARATI RAY: Sir, I just want to put one question. I agree that vocational training centres must be established, but my point is that it is pointless to establish centres and give training to people, without finding out whether it actually serves any purpose. I think, establishing centres just for the sake of establishing will not serve any purpose. I would like to know (a) whether, before setting up these centres, any survey is done about the needs of local areas, (b) any thrust is put on the development of locally available skills of the people, (c) any study is done on the availability of required infrastructure and (d) on the availability of suitable personnel for training and marketing facilities. Without doing this, Sir, it is pointless to give a list of the centres. If people are to be really benefited, then, a thorough survey should be done.

श्री जुएल उराम: सर, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछे हैं, उन सब प्रश्नों पर विचार करने के बाद 1992-93 से यह स्कीम चल रही है। उसमें क्या लोकल ट्रेड चलाना अच्छा रहेगा, क्या काम अच्छा चल रहा है, किसमें लोगों की रुचि है, मार्केट में क्या है, उसमें मास्टर क्राफ्ट्समैन है कि नहीं है, वह उनको वहां पर आकर के ट्रेनिंग दे सकता है या नहीं, इन सब बातों पर विचार करके यह कार्य किया जाता है। यह ट्रेनिंग अच्छी चलती है इसको हम लोगों ने देखा है। आश्रम स्कूलों में पार्टिकुलरली जो लोग ट्रेनिंग लेते हैं वह चाहे टेलरिंग की हो, चाहे कारपेंटरी की हो, उसको पास आऊट करने के बाद They don't go for services. उसमें वे सेल्फ सफिसिएंट होने के बाद सेल्फ इम्प्लाईमेंट हुए

हैं इसका भी हम लोगों के पास रिकार्ड है। वहां पर जो प्रोडक्ट चल रहा है वहां हम लोगों को ट्रेनिंग मेटेरियल के हिसाब से देते हैं। उसकी भी मार्केट में मार्केटिंग करके उसकी जो वैल्यू आती है उसमें से उसको फ़िल्लपुट के हिसाब से यूज किया जाता है।

DR. RAJA RAMANNA: The question which I wanted to put has already been put by Mrs. Bharati Ray. But I would like to make one point, that is, these vocational centres should not be exactly like the polytechnics and things like that, which have been started in many parts of the country. The requirements of the tribal areas are very different from tribe to tribe, practically. As the hon. lady Member, Mrs. Bharati Ray, has said, somebody has to study, as a problem in sociology, as to what type of vocations they want. Simply putting a few lathes, or, drilling machines, will not solve the problem. They have their own requirements.

श्री जुएल उराम: सर, मैंने बताया है कि वहां पर 20 ट्रेड में ट्रेनिंग चलती है। एक सेंटर में पांच ट्रेड का आफ़ेशन है। उसमें से किसी को भी अपनी चायस के हिसाब से वह ले सकता है। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि इसमें कम्प्यूटर ट्रेनिंग है, वेल्डर ट्रेनिंग है। एअरकंडीशनर एंड रेफ्रिजरेटर रिपेयरिंग है। टी.वी., बी.सी.आर., रेडियो मैकेनिक की ट्रेनिंग है, स्कूटर, मोटर साइकिल रिपेयरिंग की ट्रेनिंग है। इलैक्ट्रीशियन की ट्रेनिंग है, टाइपिंग एवं शॉर्टहैंड की ट्रेनिंग है, टेलीफोन, टैलक्स एवं फ़ैक्स मशीन की रिपेयरिंग की ट्रेनिंग है, कारपेंटर, निटिंग, वीविंग और हैंडलूम की ट्रेनिंग है, डीज़ल इंजन मशीन्स के लिए ट्रेनिंग है, केन एवं बम्बू की ट्रेनिंग है। इसलिए महोदय ..(व्यवधान) ..

MR. CHAIRMAN: His question was different. Shri M.M. Agrawal.

PROF. M.M. AGRAWAL: Hon. Chairman, Sir, I would like to know from the hon. Minister what the new schemes and programmes are, which are formulated and implemented for the welfare of the tribal people since their plight is very pitiable due to two reasons. One is want of education and the other is want of family welfare schemes.

श्री जुएल उराम: महोदय, यह तो वोक्ेशनल ट्रेनिंग का प्रश्न है इसलिए टोटल ट्रेवल के लिए क्या-क्या स्कीम चल रही हैं, उसके लिए अगर माननीय सदस्य अलग से प्रश्न करें तो अच्छा रहेगा।

MR. CHAIRMAN: Yes, this supplementary does not relate to this question.

SHRIVENDHAMMA VIRIYO: Sir, I am very happy that our hon. Minister belongs to the Tribal community. He has agreed that there is a training programme for the Tribal people and after getting trained they produce some of the articles

and there is marketing. I would like to know from the hon. Minister, through you, Sir, whether he can tell me how many lakhs or crores of rupees worth production has been made by these students of far. This is the first question.

Secondly, there is a trading shop here run by his Ministry. How much of the products made by those students are brought by you here for marketing? What is the result today?

श्री जुएल उराम: महोदय, इसमें जो प्रोडक्शन होता है, सरकार उसे हिसाब नहीं लेती है। उसी सेंटर में उसे बेचकर वे लोग उसका अकाउंट मैटेन करते हैं और नैक्सट ईयर जब एक्सपेंडीचर के लिए वे लोग पैसा मांगते हैं तो उसको वे शो करते हैं कि लास्ट ईयर के ट्रेनिंग प्रोग्राम में जो प्रोडक्शन हुआ, उसमें से हम लोगों को कितना पैसा मिला, उसको वे दिखाते हैं और उसी के हिसाब से हम उतना पैसा माइनस करके अगले साल के लिए ट्रेनिंग की कास्ट देते हैं। जहां तक प्रोडक्ट को ट्राइब्स शाप्स में लाकर बेचने का सवाल है, यह कुछ-कुछ चालू है लेकिन मोटीवेशन की बात है क्योंकि लोकल मार्किट में ही उसकी खपत हो जाती है इसलिए यहां तक वह नहीं आता है लेकिन माननीय सदस्या के सजेशन पर विचार करके मैं इस संबंध में डायरेक्शन दूंगा कि अगर संभव हो तो ट्राइब्स शाप्स पर भी लाकर उसको बेचा जा सकता है।

SHRIVEN DHAMMA VIRIYO: Sir, just one minute.

MR. CHAIRMAN: No. It is all right.

SHRI K.M. SAIFULLAH: Sir, I would like to know from the Minister regarding the welfare of the Advasis and their salvation. Is there any programme to give due representation to the Advasis, through delimitation, by providing facilities for contesting elections?

SHRI CHAIRMAN: This supplementary does not arise out of this question.

श्री गांधी आज़ाद: महोदय, आज देश परमाणु युग में चल रहा है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि आदिवासियों की जो संख्या बतायी गयी है, क्या मंत्री जी को खबर है कि आज भी देश में कुछ आदिवासी नग्न अवस्था में रहते हैं तो उनकी नग्नता को दूर करने के लिए आपके पास क्या उपाय हैं?

श्री जुएल उराम: यह प्रश्न तो वोकेशनल ट्रेनिंग का है फिर भी इसके लिए हम लोगों का स्पेशल प्रोग्राम माइक्रो प्रोजेक्ट चल रहा है। अगर माननीय सदस्य अलग से पूछेंगे तो मैं उनको बता दूंगा।

श्री गांधी आज़ाद: नग्नता की संख्या कुछ है क्या?

श्री जुएल उराम: हां है।

MISS MABEL REBELLO: Sir, in these days of super specialities and downsizing of Government jobs, the Tribals are finding it extremely difficult to get jobs even in Government service despite having reservations. Similarly, they are finding it very difficult to start any self-employment and succeed in it. Under these circumstances, skill development is the only answer. Most of the areas where the Tribals live are undeveloped. I know the hon. Minister has mentioned a number of trades which are there in the Vocational Training Centres. I would like to know from him what the duration of these training skills or trades is. I would also like to know whether they really attain self-sufficiency and efficiency to become employable in the market at large, not in Government service. Do they really attain that efficiency? This is what I want to know from the hon. Minister.

श्री जुएल उराम: जब वे पढ़ते हैं तब दो साल की ट्रेनिंग उनकी होती है। छः महीने की स्पेशल ट्रेनिंग या सबअर्बन एरिया में जहाँ क्राफ्ट्समैन हैं, वहाँ भी उनकी ट्रेनिंग का प्रावधान है। उसके लिए अलग से.... (व्यवधान)....

कुमारी मैबल रिबेल्लो: प्रावधान है मगर क्या वे स्किल एक्वायर करते हैं, एफिशिएंसी होती है उनमें?

श्री जुएल उराम: जितना रिक्वायर्ड है, उससे भी ज्यादा स्किल उनमें होता है, मैं यह दावे के साथ कह सकता हूँ।

*683. [The Questioner (Shri Anantray Devshanker Dave) was absent. For answer *vide* page 25*infra*.]

MR. CHAIRMAN: Question No. 684.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, question nos. 684 and 685, both, deal with tobacco. You can go through it. If you can club them, it will be better. Because both these questions are related to tobacco, especially, in Andhra Pradesh.

MR. CHAIRMAN: All right. Question no. 685 is also being taken up concurrently.

FDI Tobacco Sector

†*684. DR. Y. LAKHMI PRASAD: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether farmers and tobacco growers of Andhra Pradesh have demanded to allow foreign direct investment in the tobacco sector and permit foreign buyers to procure stocks directly from the auction platforms;

†Starred Question Nos. 684 and 685 were taken together.